वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 211 | बुधवार 27 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेस-वे से जल्द जुड़ेगी रिंग रोड

जयपुर. कासं

जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेस-वे अब जल्द ही रिंग रोड की क्लोअर लीफ जुड़ने वाली है। यह काम पूरा होने के बाद कोटा, अजमेर से दिल्ली जाने-आने वाले वाहन सीधे निकल सकेंगे। इसे जोड़ने के लिए पिलर तैयार होने के बाद 28 स्पान लगा दिए गए हैं। क्लोअर लीफ नहीं होने की वजह से आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। यह क्लोअर लीफ पिछले 8 साल से अटका हुआ था। हालांकि अजमेर रोड पर बनने वाली क्लोअर लीफ का अभी काम तक शुरू नहीं हो पाया है। आगरा रोड स्थित क्लोअर लीफ का कार्य अब 70 प्रतिशत पूरा हो गया है। क्लोअर लीफ बनने से आगरा रोड का जयपुर-बांदीकुई लिंक रोड से जुड़ने के साथ दक्षिणी रिंग रोड से उत्तरी रिंग रोड भी जुड़ जाएगा। क्लोअर लीफ बनने से दिल्ली-बड़ौदा हाईवे से दिल्ली जाने वाले लोगों को दौसा होकर नहीं जाना पड़ेगा, इससे लोगों का 68 किलोमीटर का चक्कर कम होने के साथ एक घंटे का समय बचेगा।

भारी वाहनों को निकलने में होगी आसानी

आगरा रोड से अजमेर रोड को जोड़ने वाली दक्षिणी रिंग रोड 47 किमी में बनी है। इस रोड पर गुजरने वाले वाहनों को आसानी होगी। आगरा रोड से दिल्ली बाईपास रोड चौंप स्टेडियम तब 45 किमी में बनने वाले प्रस्तावित उत्तरी रिंग रोड को भी इसका फायदा मिलेगा। जयपुर-बांदीकुई के बीच 67 किमी में बने रोड की लागत 1368 करोड़ है। बीच में 5 स्थानों पर कट है, जहां से वाहन चढ़-उतर सकेंगे। आगरा रोड पर 30% ट्रैफिक कम हो जाएगा। जयपुर-बांदीकुई 67 किमी मात्र 30 मिनट पहुंच सकेंगे। बांदीकुई से गुरुग्राम घामडोज टोल प्लाजा 168 किमी 1.50 घंटे और घामडोज से ईफको चौक गुरुग्राम तक 25 किमी 20 मिनट में पहुंच सकेंगे।

राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नई दिल्ली में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात कर उन्हें अवगत करवाया कि राजस्थान में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं पर्यटन विभाग से संबंधित विभिन्न कार्यों के संपादन के लिए आवश्यक पर्यावरण स्वीकृति हेतु केंद्र सरकार को भिजवाए गए प्रस्तावों पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए स्वीकृति दिलवाने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री यादव ने जल्द त्वरित कार्यवाही के लिए आश्वस्त किया। उप मुख्यमंत्री ने मंगलवार को ही केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्ण देवी से मुलाकात कर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से संबंधित राज्य सरकार की विभिन्न मांगों एवं विषयों पर सार्थक चर्चा की। केंद्रीय मंत्री द्वारा केंद्र सरकार द्वारा संपूर्ण सहयोग के लिए आश्वस्त किया गया।

संविधान दिवस के अवसर पर जयपुर में जिला स्तरीय प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का हुआ आयोजन

एसएसजी पारीक पीजी कॉलेज में जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के तत्वावधान में हुआ आयोजन
प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने संविधान से जुड़े रोचक सवालों के दिये जवाब

जयपुर. कासं

संविधान दिवस के अवसर पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, जयपुर के तत्वावधान में एसएसजी पीजी पारीक कॉलेज के सभागार में जिला स्तरीय प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार जैन और अन्य अतिथियों एवं युवाओं ने ने सभागार में प्रदर्शित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा संविधान निमार्ताओं तथा इसमें योगदान देने वाले पुरोधाओं को याद किया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ धमेन्द्र चौधरी एवं श्रीमती सुप्रिया अग्रवाल ने विद्यार्थियों को भारत के संविधान की बारीकियों और विशेषताओं से रूबरू करवाया। संगोष्ठी के पश्चात संविधान से जुड़े रोचक प्रश्नों की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साह

के साथ भाग लिया। सवालों के सही जवाब देने वाले विजेता विद्यार्थियों को राजस्थान सरकार की प्रमाणिक एवं प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका 'राजस्थान सुजस' की प्रति पुरस्कार के तौर पर प्रदान की गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि संविधान का अर्थ है, समविधान अर्थात जो सभी के लिए एक समान नियमावली प्रस्तुत करें और सभी के हितों की रक्षा करें। ऋग्वेद में उल्लेख है कि सर्वप्रथम जन एवं जनपदों के लिए सभा,समिति और विदथ का गठन किया गया और इसके लिए नियमावली बनाई गई। उन्होंने कहा कि किसी शासन व्यवस्था के लिए विधान निर्माण का यह सबसे पहला उदाहरण है। समय के साथ आवश्यकतानुसार विधान बदलते गए। हमारे देश का संविधान 60 देशों के संविधान से अच्छी बातों का चयन कर बनाया गया है। यह अपने आप में कठोर एवं लचीलेपन का शानदार मिश्रण है जो देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है। आयोजन में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक हेत प्रकाश शर्मा, एसएसजी पारीक पीजी महाविद्यालय के प्राचार्य एन.एम. शर्मा, उपाचार्य डॉ. अंजू पारीक ने शिरकत की।

सूर्य नगर जैन समाज ने पंचकल्याणक के लिए श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव मुनि समत्व सागर जी के सानिध्य में 19 जनवरी से 24 जनवरी तक होगा पांच दिवसीय

जयपुर. शाबाश इंडिया

तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में नव निर्मित नन्दीश्वर पंचमेरु में नवीन प्रतिमाओं के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में आशीर्वाद एवं सानिध्य प्रदान करने के लिए सूर्य नगर तारों की कूट के सकल जैन समाज की ओर से चित्रकूट कालोनी में प्रवासरत मुनि समत्व सागर महाराज, मुनि शील सागर महाराज को सामूहिक श्रीफल भेट कर निवेदन किया गया। जयकारों के बीच मुनि श्री ने स्वीकृति प्रदान कर पंचकल्याणक के लिए मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। समाज के विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि समाज समिति के संरक्षक नाभिराय सोगानी, अध्यक्ष ईजी. नवीन जैन एवं मंत्री धनेश सेठी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में समाज बन्धु सूर्य नगर से रैली के रुप में रवाना होकर चित्रकूट कालोनी के कंवर का बाग स्थित राजगृही नगरी पहुचे। जहां मुनि संघ को जयकारों के बीच श्रीफल भेट कर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सानिध्य प्रदान करने के लिए निवेदन कर मुनि संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर समाज के विनोद जैन कोटखावदा, सुरेश बाकलीवाल, धनराज जैन, बाबू लाल सोगानी सहित महिला मण्डल की अध्यक्ष सुधा जैन, मंत्री अल्का लोंग्या सहित बडी संख्या में पुरुष एवं महिलाएँ शामिल हुई। अध्यक्ष नवीन जैन एवं मंत्री धनेश सेठी ने बताया कि सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में द्वितीय मंजिल पर नन्दीश्वर द्वीप पंचमेरु का निर्माण करवाया गया है। 19 जनवरी से 24 जनवरी, 2025 तक प्रस्तावित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में इनमें विराजमान होने वाली 152 प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा की जाएगी। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में पूरे देश से लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

पाँच लाख अर्घ्य के साथ आज बुधवार को होगा कल्पद्रुम महामण्ड़ल विधान का समापन, विश्व शांति महायज्ञ में मंत्रोच्चार के साथ होगी पूर्णाहुति

महावीर की वाणी केवल जैनियो के लिये नहीं मानव मात्र के कल्याण के लिए : मुनिश्री समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

चित्रकूट कॉलोनी थाना सर्किल सांगानेर में मुनि समत्व सागर महाराज एवं शील सागर महाराज के सानिध्य में चल रहे कल्पद्रुम महामंडल विधान का बुधवार को विश्व शांति महायज्ञ के साथ समापन होगा। तत्पश्चात आयोजन स्थल से चित्रकूट कालोनी दिगम्बर जैन मंदिर तक विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। समिति अध्यक्ष केवल चंद गंगवाल ने बताया कि प्रातः विशेष पूजा के साथ समोवशरण में विराजित जिनेंद्र देव के अभिषेक, शांतिधारा की गई। उसके पश्चात विधान के अंतिम पड़ाव के रूप में सहस्त्रनाम जिन पूजा में धर्मावलम्बियों ने भक्ति भाव से अर्घ्य अर्पित किये गये। आठ दिवसीय विधान में श्रद्धालुओं ने अब तक चार लाख से ज्यादा अर्घ्य अर्पित किये। मंत्री अनिल जैन काशीपुरा ने बताया कि बुधवार को मानव कल्याण की भावना के साथ विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जायेगा । मुनि श्री के सानिध्य में भक्तगण ऋद्धि मंत्रों के साथ विश्व शांति के लिए पाँच लाख अर्घ्य अर्पित कर हवन में पूणार्हुति देंगे। इसके बाद मुनि श्री के मांगलिक प्रवचन होंगे एवं भव्य रथ यात्रा का आयोजन होगा। रथयात्रा समारोह स्थल से रवाना होकर भव्य लवाजमे के साथ विभिन्न कॉलोनियो से होती हुई जिन मंदिर में प्रवेश करेगी जहां भगवान के अभिषेक के साथ श्री जी को वेदियों में विराजमान किया जाएगा। मीडिया समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा एवं महावीर सुरेंद्र जैन एडवोकेट ने बताया कि कल्पद्रुम विधान में सांगानेर के साथ आस पास के लोगो ने पूर्ण श्रद्धा से भाग लिया है। इस पूजन का जैन धर्म में बड़ा महत्व है। कल्पद्रुम महामंडल विधान पूजाओं का समुच्चय होकर सबसे बड़ा विधान है जिसमें नवदेवता पूजा, अहर्चक्र समुच्चय पूजा सोलह कारण पूजा अहर्त गुण पूजा माननस्तंभ मंडितअहर्त पूजा सप्तभूमि मंडित अहर्त पूजा श्रीमंडप भूमि मंडित अहर्त पूजा त्रय पीठिका मंडित अहर्त पूजा दिव्य ध्वनि पूजा गणाधर मुनिवर पूजा चौसठ ऋद्धि पूजा चौबीस तीर्थंकर पूजा सहरस्त्रनाम पूजा हुई एवं भगवान समक्ष आत्म कल्याण की भावना के साथ अर्घ्य अर्पित किये गये।

आत्मानुशासन से राष्ट्र का विकास संभवः मुनि समत्व सागर

समोवशरण में विराजित गणधार परमेष्ठी के रूप में विराजित मुनि समत्व सागर महाराज ने मंगलवार को संविधान दिवस के परिप्रेक्ष्य में बोलते हुए कहा कि शासन ने लोगो को व्यवस्थित व अनुशासित करने के लिए संविधान बनाया परंतु भगवान महावीर का कहना है कि यदि व्यक्ति अपनी आत्मिक उन्नति के साथ आत्म अनुशासन का पालन करे तो वह न केवल स्वयं का अपितु अपने परिवार व समाज के साथ राष्ट्र की उन्नति में भागीदार होता है। यही महावीर भगवान की देशना का सार है। महावीर का शासन अहिंसा अपरिग्रह अचोर्य सत्य ब्रह्मचार्यक जैसे सिद्धांतो का पोषक व प्रवर्तक है। उन्होंने कहा कि समोवशरण में हिंसा व संप्रदाय का कोई स्थान नहीं है समोवशरण तो सबके कल्याण के लिए है। सबके प्रति समभाव व समदृष्टि ही समोवशरण का ध्येय है। भगवान महावीर के सिद्धांत पर चलने वाला व्यक्ति पूजनीय हो जाता है जो राष्ट्र को उन्नति के पथ पर ले जाता है । जो व्यक्ति आत्म विकास व आत्मोन्नति का कार्य करता है वह स्वयं के आत्मिक विकास के साथ राष्ट्र के विकास में भागीदार बनता है ।

उन्होंने कहा कि महावीर के सिद्धांत केवल जैन धर्म के लिए नहीं है उनके सिद्धांत व वाणी तो मानव मात्र के कल्याण के लिए है जो बालक अपनी वासनाओ के पीछे अपने माँ बाप के संस्कारों को बंधन मानते है धर्म के सिद्धांतों को बंधन मानते है ऐसे लोग सही मायने में मानव कहलाने लायक नहीं है। जयपुर नगर धर्म नगरी है जहाँ पग पग पर जिन मंदिर, जिन चैत्यालय है तुम अगर तीर्थ नहीं कर सकते तो कम से कम इन मंदिरों के दर्शन कर अवश्य कर लिया करो ।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गामडी नारायण ब्लॉक अरथुना में संविधान दिवस मनाया गया

शाबाश इंडिया. अजीत कोठिया

डडूका। संविधान दिवस के उपलक्ष में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गामड़ी नारायण में नारायण कटारा द्वारा संविधान उद्देशिका का वाचन करवाया गया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य गौतम लाल यादव द्वारा संविधान के द्वारा प्रदत अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में बताया गया। गौतम लाल यादव द्वारा विद्यालय परिवार को संविधान की प्रति भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन मंजुला राणा द्वारा किया गया। हेमेंद्र पारगी रामलाल कटारा, नवीन उपाध्याय आर्यन पाटीदार ,हितेश रावल लक्ष्मीकांत मेहता दक्षा पाटीदार इंदुबाला डामोर आदि उपस्थित थे। पीनल एस पाटीदार द्वारा संविधान की प्रति भेट करने पर कार्य वाहक प्रधानाचार्य महोदय का आभार प्रकट किया गया।

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में समिति ने मानसरोवर के मीरामार्ग चातुर्मास के सहयोगियों का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर के मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर हुए भव्य चातुर्मास में सहयोगी कार्यकर्ताओं का चातुर्मास कमेटी एवं मंदिर समिति की ओर से अभिनन्दन किया गया। समिति के अध्यक्ष सुनील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी के मुताबिक मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के खजुराहो से जयपुर तक मंगल विहार, जयपुर में चातुर्मास एवं विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों एवं कालोनियों में प्रवास सहित नन्दीश्वर द्वीप महामह पूजा विधान, पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान करने वाले विनोद जैन कोटखावदा, प्रदीप जैन, सुभाष बज, भारतभूषण जैन सहित 80 से अधिक कार्यकताओं को प्रशस्ति भेट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर चातुर्मास समिति के संरक्षक प्रमोद पहाड़िया, शीतल कटारिया सहित मंदिर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी, कार्यकारिणी सदस्य राजेश काला, अशोक छाबड़ा, अरुण पाटोदी, विजय झांझरी, अशोक गोधा, शांति विजय गंगवाल सहित बडी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन ने बताया कि मुनि प्रणम्य सागर महाराज के बुधवार, 27 नवम्बर को प्रातः 8.30 बजे राधा विहार कालोनी के श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मंगल प्रवचन होंगे।

देश के संविधान को 75 वर्ष पूरे होने पर विशेष कार्यक्रम किया आयोजित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद में देश के संविधान के 75 साल पूरे होने पर प्रार्थना सभा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्रा तेजस्विनी द्वारा संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया गया एवं प्रार्थना सभा में उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के द्वारा उसका दौहरान किया गया। कॉफी एट के. वी तहत अंग्रेजी भाषा में संविधान की विशेषताओं को बताने वाला नुक्कड़ नाटक का तनीषा जाट और समृद्धि राय के द्वारा मंचन किया गया। वंशिका कच्छावा और देवांशी चावला के द्वारा अंग्रेजी और हिंदी भाषण के द्वारा देश के संविधान की विशेषताओं का व्याख्यान किया गया है । इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए सेल्फी पॉइंट का निर्माण किया गया । जिसमें विद्यार्थी और शिक्षकों के द्वारा सेल्फी ली गई एवम संविधान दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। हेश टैग कैंपेनिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान के बारे मे जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य आर.सी.मीणा ने बताया कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 125 की जयंती के अवसर पर उनको श्रद्धांजलि देने के लिए 26 नवंबर 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस मनाने की शुरूआत की तब से प्रति वर्ष 26 नवंबर को स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है । इसका उद्देश्य नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। विद्यालय के उप प्राचार्य राजेश बगड़िया ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यार्थियों को धन्यवाद देते हुए बताया कि कि भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। जिसके द्वारा भारतीय लोगों की समस्याओं के आकांक्षाओं का निवारण किया जा रहा है।

निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 138 रोगी हुए लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

गुलाबपुरा । श्री प्राज्ञ मृगी रोग निवारक समिति गुलाबपुरा द्वारा माह के चतुर्थ मंगलवार को आयोजित कैंप दिनाक 26 नवंबर मंगलवार को संस्था परिसर में लगाया गया । संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने बताया की कैंप में जवाहर लाल नेहरू कॉलेज एवम हॉस्पिटल जयपुर के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉक्टर आर के सुरेखा एवम टीम ने अपनी सेवाए प्रदान करते हुए 138 मरीजों को सेवा प्रदान की एवम निशुल्क दवा का वितरण किया गया। आज के कैम्प के लाभार्थी स्वर्गीय मोहन लाल खटोड़ की पुण्य स्मृति में श्रीमती कमला देवी खटोड़, विमलेश,मंजू जैन,पदम चंद,मधु जैन, अंशुल,अंजली जैन, ऋषभ, श्रीया जैन,अजमेर एवम स्वर्गीय श्रीमती नौरत कंवर धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री चांदमल धम्मानी की पुण्य स्मृति में चंदनमल, भंवर लाल, गौतम चंद,गणेश कुमार, तनिष्क जैन, मधु जैन, संगीता जैन,रेशमा जैन,पारस कंवर, बडला नागौला रहे।

वेद ज्ञान

जीवन में जरूरी है जिज्ञासा

किसी समस्या के कारणों को समझने और उसके समाधान के लिए मनुष्य की मानसिक ऊर्जा का सक्रिय होना ही जिज्ञासा है। मनुष्य की जिज्ञासा कभी खत्म नहीं होनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसकी जिज्ञासा समाप्त हो जाएगी, तो उसके जीवन में भी ठहराव आ जाएगा। जिज्ञासा मनुष्य के विकास की जड़ों को मजबूत करती है। जिज्ञासा न केवल दुखों से पीड़ित मनुष्य को झकझोर कर रख देती है, बल्कि कई बार हर तरह से सुखी-संपन्न व्यक्ति के मन में भी उथल-पुथल मचा देती है। राजकुमार सिद्धार्थ के मन में जब जीवन के सत्य को जानने की जिज्ञासा उत्पन्न हुई, तब उन्होंने राजमहल के वैभव-विलास को त्यागने में एक पल भी नहीं लगाया। जिज्ञासा एक ऐसी अग्नि है, जिसमें तपकर मनुष्य का हृदय पवित्र बन जाता है। एक बार स्वामी विवेकानंद की मां बहुत बीमार पड़ गईं, तब उनके दिमाग में यह बात आयी कि अगर उनके पास पैसे होते, तब वे अपनी मां के लिए दवा और खाना ला सकते थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के पास गए और उनसे कहा कि अगर मेरे पास कोई नौकरी होती, तो आज मैं अपनी मां का ध्यान रख सकता था, लेकिन इस आध्यात्मिकता से मुझे क्या फायदा हुआ? इसके जवाब में रामकृष्ण परमहंस ने उनसे कहा था कि अगर तुम्हें अपनी मां के लिए दवा और भोजन की जरूरत है, तो वह तुम काली मां से क्यों नहीं मांग लेते। यह सुनकर विवेकानंद मंदिर की ओर चले गए। जब वह वापस आए, तो रामकृष्ण ने पूछा कि क्या तुमने काली मां से भोजन, पैसा और बाकी चीजें मांगीं? विवेकानंद ने जवाब दिया कि नहीं, मैं भूल गया। इस पर रामकृष्ण बोले कि अगर आज तुमने मंदिर में कुछ मांग लिया होता, तो यह तुम्हारे और मेरे रिश्ते का आखिरी दिन होता। क्योंकि कुछ मांगने वाला अज्ञानी यह नहीं जानता कि जीवन क्या है। मांगने वाला अज्ञानी जीवन के मूल सिद्धांतों को नहीं समझता। असल में, सत्य को जानने के लिए मात्र प्रश्न या तर्क करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इन प्रश्नों को परास्त करने की शक्ति ही जिज्ञासु की श्रद्धा है। जीवन के सत्य को जानने के लिए कोई विशेष तपस्या करने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि व्यक्ति को सभी पूर्वाग्रहों का त्याग और अपनी जिज्ञासा को उत्पन्न करके अपने आपसे से जुड़ने की जरूरत होती है।

संपादकीय

जलवायु संकट एक बड़ी समस्या

इसमें कोई दोराय नहीं कि जलवायु संकट आज विश्व भर में सभी देशों की चिंता में सबसे ऊपर है और इसके खतरे को कम करने या इससे पूरी तरह निपटने के लिए सभी देशों को अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति जाहिर करनी होगी। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि दिनोंदिन गहराते जा रहे इस संकट और इसके प्रभाव पर सभी देश विमर्श तो करते हैं, मगर इससे पार पाने के उपायों को लेकर वही देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं, जिनकी भूमिका इस मुश्किल को बढ़ाने में ज्यादा रही है। विकसित देशों का यह रुख अपने आप में परेशान करने वाला है कि वे पृथ्वी के जलवायु पर बढ़ते संकट के सवाल पर हर बार दोहरा रवैया अपनाते हैं और इस मसले पर होने वाली तमाम बैठकों का हासिल अपने किसी मकसद तक नहीं पहुंच पाता। इस बार अजरबैजान के बाकू में भी सीओपी झ्र 29 की बैठक में उम्मीद जरूर की गई थी कि शायद ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से बढ़ते वैश्विक तापमान और उससे निपटने केउपायों को जमीन पर उतारने को लेकर विकसित देश वास्तव में कुछ ठोस पहल करेंगे। मगर यह अफसोस की बात है कि इस विश्वव्यापी संकट के सवाल पर विकसित देशों को अपनी सुविधा कायम रखना ज्यादा अहम लगता है। गौरतलब है कि बाकू में संपन्न हुए जलवायु शिखर सम्मेलन में समृद्ध देशों ने जलवायु वित्त पोषण के रूप में हर वर्ष तीन सौ अरब डालर की सहायता देने पर समझौता किया, वह भी सन 2035 से जबकि विकासशील देशों की मांग तेरह सौ अरब डालर की थी। यानी एक तरह से विकासशील देशों की मांगों को अनसुना कर दिया गया। विकसित देशों के रुख और सहायता राशि में इतने बड़े अंतर पर विकासशील देशों के बीच गहरी निराशा पैदा हुई और इस पर मतभेद उभरना स्वाभाविक था। भारत की ओर से यह साफ तौर पर कहा गया कि वह इस प्रस्ताव को वर्तमान स्वरूप में स्वीकार नहीं करता है, क्योंकि प्रस्तावित राशि बहुत ही कम है और यह हमारे देश के अस्तित्व के लिए जरूरी जलवायु कार्रवाई को असंभव बनाएगी। भारत ने समझौते को अपनाने के तरीके को भी आपत्तिजनक और 'पूर्व नियोजित' बताया। समस्या के स्वरूप और उससे निपटने के उपायों के मद्देनजर भारत की आपत्ति को विकासशील देशों का समर्थन मिला, वहीं विकसित देशों के बीच एक विचित्र चुप्पी देखी गई। यह सही है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से वैश्विक तापमान में इजाफा हो रहा है और इसमें सबसे ज्यादा बड़ी भूमिका दुनिया के समृद्ध या विकसित देश ही निभाते हैं। दूसरी ओर, 'ग्लोबल साउथ' के देशों की भूमिका में इसमें अपेक्षा कम है और विकास की निरंतरता को कायम रखने के लिए उनकी कुछ व्यावहारिक जरूरतें हैं। इसी के मद्देनजर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से उपजने वाले संकट से पार पाने में मदद के लिए विकसित देशों का वित्तीय और तकनीकी संसाधन जुटाने का दायित्व है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

समझना भी जरूरी

आने वाले कुछ महीनों में बोर्ड परीक्षाओं के अलावा आइएएस, एनडीए, सीडीएस, जेईई मेन और यूजीसी नेट समेत कई प्रतियोगी परीक्षाएं होने वाली हैं । इस दौरान ज्यादा से ज्यादा समय देने के साथ ही कान्सेप्ट को समझकर पढ़ाई करने की जरूरत होती है । आइए जानें, समझकर पढ़ाई करना कितना जरूरी है । इससे हमें क्या लाभ हो सकते हैं.. हमारे यहां 'शब्द' को ब्रह्म कहा गया है। ब्रह्म यानी कि इस संसार की रचना करने वाला। तो क्या शब्द भी ब्रह्म की तरह दुनिया का निर्माण करते हैं? आइए, इसे एक उदाहरण के जरिए समझते हैं। मान लीजिए, आप आराम से चुपचाप बैठे हुए हैं। कोई अचानक आकर यूं ही आपको गालियां देने लगता है। अभी तक आप शांत थे। गालियां सुनने के डा. विजय अग्रवाल बाद आपको गुस्सा आ गया। अब आपके अंदर की दुनिया क्या पहली जैसी ही शांत है ? नहीं न। वह बदल गई है और इस दुनिया को बनाने का काम मात्र कुछ शब्दों ने ही तो किया है। इससे यह सिद्ध होता है कि हम जो भी सुनते और बोलते हैं, उनका बहुत गहरा और सीधा संबंध हमारे विचारों और हमारी भावनाओं से होता है। यदि आप एक छात्र हैं और मैं आपसे पूछूं कि आप फिलहाल कौनसा काम कर रहे हैं, तो आपका उत्तर होगा- ''मैं पढ़ाई कर रहा हूं।'' हर छात्र और उनके माता-पिता इस काम को 'पढ़ाई करना' ही कहते हैं। लेकिन आपके लिए मेरी चिंता यह है कि आप 'पढ़ाई' कर रहे हैं या आप 'अध्ययन' 'पढ़ाई' कर रहे हैं या आप 'अध्ययन' कर रहे हैं। आप जब अपने कोर्स की किताबों के साथ होते हैं, तब आप उसे पढ़ रहे होते हैं, या उसकी स्टडी कर रहे होते हैं? आपके इस उत्तर से आपके अंतर्मन की स्थिति जुड़ी हुई है। जैसे कोई व्यक्ति उपन्यास पढ़ रहा है, लेकिन जब उसी उपन्यास को हिंदी साहित्य का विद्यार्थी अपने सिलेबस के कारण पढ़ता है, तो इन दोनों के पढ़ने के तरीके में बहुत अंतर आ जाएगा। वह व्यक्ति उस उपन्यास को मनोरंजन के लिए पढ़ रहा है। उसे न तो उपन्यास की घटनाओं को याद रखने की जरूरत है और न ही उसे उसकी समीक्षा करनी है। लेकिन हिंदी साहित्य के विद्यार्थी को उस उपन्यास के प्रति गंभीर होकर ध्यान से पढ़ना होगा और उसे समझना भी होगा। इसी तरह जब आप अपनी पढ़ाई गंभीर होकर करने लगते हैं, तब वह पढ़ाई अपने आप ही अध्ययन बन जाती है । इसलिए मेरे इस लेख का आपके लिए मूल सूत्र यह है कि आप अपने दिमाग में इस वाक्य को बैठा लें कि 'मैं पढ़ाई नहीं अध्ययन कर रहा हूं।' आपका यह वाक्य आपके अंदर एक ऐसी दुनिया की रचना कर देगा, जिसकी ग्रहण करने की क्षमता पहले की तुलना में कई गुना बढ़ जाएगी। इससे स्मरण शक्ति में भी इजाफा हो जाएगा।

पढ़ाई को बोझ न समझें: जब हम पढ़ने को अध्ययन में तब्दील कर देते हैं, तब हमें पढ़ाई बोझ लगना बंद हो जाती है। हमें उसमें मजा आने लगता है। तब पढ़ा हुआ समझ में आने लगता है और वह आप भूलते नहीं । रटने का संबंध सूचनाओं को अपने दिमाग में इकट्ठा करना है। जबकि समझने का अर्थ है, उसका हमारे दिमाग में रच-बस जाना। महान वैज्ञानिक आइंस्टीन ने ज्ञान के बारे में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही थी। उन्होंने कहा था कि 'पढ़ने के बाद हम काफी कुछ भूल जाते हैं, लेकिन जो बच जाता है, वही ज्ञान है।' उनके कहने का आशय यही था कि जिन्हें हम रटते हैं, वे गायब हो जाते हैं और जो हमारी समझ में आ जाते हैं, वे जिंदगी भर हमारे साथ रहते हैं।

वीआईएफटी : स्टूडेंट्स ने जाने अधिकार, समझे कर्तव्य भी

उदयपुर. शाबाश इंडिया। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में यूआईटी सर्किल स्थित वीआईएफटी कॉलेज में आयोजित सेमिनार मे भारतीय संविधान की महत्ता, उसकी विशेषताओं और नागरिकों के अधिकारों व कर्तव्यों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरूआत डायरेक्टर डॉ. रिमझिम गुप्ता और प्रिंसिपल विप्रा सुखवाल द्वारा संविधान के उद्देश्यों और महत्व पर प्रकाश डालने से हुई। इस अवसर पर संघ चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने बताया कि यह आयोजन विद्यार्थियों को संविधान के महत्व और उसकी विशेषताओं से परिचित कराने के उद्देश्य से किया गया। साईं तिरूपति विश्वविद्यालय प्रेसिडेंट प्रो. प्रशांत नाहर ने संविधान के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। वहीं, जर्नादन राय नागर विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ लॉ के प्रो. के. के. त्रिवेदी ने संविधान की विशेषताओं पर व्याख्यान देते हुए बताया कि भारतीय संविधान लोकतंत्र को मजबूत करने के साथ समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे का संदेश देता है। अंत में विद्यार्थियों ने संविधान के प्रति अपनी निष्ठा और पालन का संकल्प लिया। – **रिपोर्ट/फोटो: रौनक वर्मा**

11 परिवार के 25 व्यक्ति क्लब की सेवा से लाभान्वित हुए

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,लायन अतुल पाटनी,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी,क्लब के पूर्व सदस्य घनश्याम सोनी आदि के सहयोग से उदयपुर ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के गांव नादरा में 11जरूरतमंद परिवार के पुरुष, महिला और बच्चों को ठंड से राहत प्रदान कराने के उद्देश्य से गर्म वस्त्र के साथ खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। लायन्स क्लब आस्था के अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के माध्यम से अजमेर के उदयपुर भेजी गई सेवा को पूर्व सरपंच श्रीमती दुर्गा देवी और सामाजिक कार्यकर्ता टेकचंद के आथित्य में जरूरतमंद परिवारों के मध्य भेंट कराई गई। पूर्व सरपंच दुर्गादेवी ने घनश्याम सोनी के माध्यम से क्लब सदस्यो के प्रति आभार ज्ञापित किया।

टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल ने प्राप्त किया गुरुमां विज्ञाश्री माताजी का मंगल आशीर्वाद

गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला टोंक राजस्थान पावन धरा पर विराजमान परम पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ का आगामी 15 दिसंबर को भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया जाएगा। प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल ने गुरुमां विज्ञाश्री माताजी का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही निमार्णाधीन सहस्त्रकूट जिनालय का अवलोकन भी किया। आज की अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा करने का सौभाग्य प्लाक्षा जैन जयपुर जगदीश जैन चाकसू सपरिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात आर्यिका संघ की आहार चर्या करने का सौभाग्य भी उन्होंने प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि शब्द सीमित है परंतु ज्ञान असीम है इसकी कोई सीमा नहीं। ज्ञानी पुरुष कम शब्दों में अधिक ज्ञान की चर्चा किया करते हैं। एक शब्दों के अनेक अर्थ हो सकते हैं। इसलिए शब्दों में उलझकर यथार्थ ज्ञान से दूर नहीं होना ही समझदारी है। प्रतीक जैन सेठी ने बताया की विज्ञातीर्थ क्षेत्र परिसर में सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। अल्प समय में ही यह क्षेत्र विकसित होकर संपूर्ण भारतवर्ष के लिए कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सेवाकार्य से 70 विद्यार्थी लाभान्वित

लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा तीर्थराज पुष्कर की मांडला स्कूल में सेवा दी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल 3233 ई 2 के प्रांतपाल कुचामन निवासी लायन श्याम सुंदर मंत्री के अवतरण दिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए लायंस क्लब अजमेर आस्था ने तीर्थराज पुष्कर के गनाहेडा क्षेत्र में चल रहा मंडला विद्यालय जहां अधिकाश ऐसे बच्चे शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते है जो जरूरतमंद परिवार से संबंध रखते है एवं स्लम एरिया में निवास करते है को ठंड से बचाव हेतु समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल,लायन अतुल पाटनी एवं पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी के अलावा अन्य भामाशाहों के सहयोग से ऊनी वस्त्र भेंट किए गए। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक एवं प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य लायन अतुल पाटनी के संयोजन में विद्यालय के व्यवस्थापक बुद्धि प्रकाश शर्मा एवं शिक्षिका डिम्पल गौड़ को 70 जैकेट विद्यार्थियों के मध्य वितरण करने हेतु भेंट किए जिन्हें विद्यालय में बच्चो को पहना दिए गए। सेवा पाकर सभी बच्चे खुश नजर आए।

चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सम हॉस्पिटल एंड हॉलिस्टिक सेंटर सिवान जानकी विहार की तरफ से मौसम की बीमारियों के उपचार हेतु एसटीसी डेस्टिनेशन रेजिडेंशियल सोसायटी गांधी पथ लालपुरा में एक दिवसीय शिविर लगाया गया। नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि आम जन में शिविर के प्रति उत्साह दिखा। प्रातः 10:00 बजे से रोगियों की काफी भीड़ जमा हो गई। आगंतुक रोगियों एवं परिजनों का इम्यूनिटी बूस्टर पिलाया गया। डॉक्टर मधुबाला शर्मा ने बताया कि लगभग 58 रोगियों को प्रशिक्षण पश्चात दो दिनों की आयुर्वेदिक औषधि निशुल्क प्रदान की गई एवं 75 लोगों को इम्यूनिटी बूस्टर पिलाया गया। शिविर में डॉक्टर बसंत शर्मा द्वारा 12 रोगियों को फिजियोथैरेपी दी गई। शिविर में सूर्यांशु शर्मा भारतीय पोरवाल उत्तम कुमारअमित सिंह एवं समिति अध्यक्ष महेश गॉड एवं श्रीमती गुप्ता ने अपना सहयोग प्रदान किया। अस्पताल की एचडी चित्रांशी शर्मा ने बताया कि आने वाले दिनों में और भी शिविरों को आयोजन किया जाएगा।

लेकसिटी की चित्रकार वन्दना की पेंटिंग 'लोटस पोंड' अंतरराष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी में

उदयपुर. शाबाश इंडिया। इटली और अमेरिका के टेक्सास शहर में हाल ही में आयोजित अंतरराष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी 'फैब्रियानो इन एक्वेरेलो-2024' में उदयपुर की प्रतिभाशाली चित्रकार वन्दना जोशी की पेंटिंग 'लोटस पोंड' का चयन कर इसे प्रदर्शित किया गया। उल्लेखनीय है कि पिछले 15 वर्षों से आयोजित हो रही इस प्रदर्शनी में 80 देशों से चयनित चित्रकारों की 1200 कृतियों का प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शनी दुनियाभर के कलाकारों के लिए एक प्रतिष्ठित मंच बन चुकी है। वन्दना ने बताया कि उनकी पेंटिंग में फूलों और प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण किया गया है, जो उनके पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उनकी कला में प्राकृतिक सौंदर्य को जीवित रखने का प्रयास होता है और वे अपनी कृतियों के माध्यम से पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश देती हैं। इस प्रदर्शनी में भागीदारी से वन्दना जोशी ने अपने शहर और देश का नाम ही रोशन नहीं किया बल्कि वैश्विक कला मंच पर अपनी कला प्रतिभा को भी प्रस्तुत किया। उनकी यह उपलब्धि उदयपुर के कला प्रेमियों और चित्रकारों के लिए गर्व का विषय बनी है। **-रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

संसार में सुख होता तो तीर्थंकर क्यों छोड़कर जाते: मुनिश्री नीरज सागर

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

रामगंजमंडी के बाजार नंबर1 में स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के शिष्य एवम आचार्य श्री108 समय सागर महाराज के आज्ञानुवृति शिष्य मुनिश्री 108 नीरज सागर महाराज ने धर्म सभा मे प्रवचन देते हुए कहा कि इंसान ने साधनों को धर्म मान लिया है जबकि धर्म आत्मा का स्वभाव है हम अभी तक साधनो में ही सीमित है धर्म तक पहुंचे ही नहीं। धर्म कभी भी कर्मों का बंध नहीं कराता है। धर्म से कर्मों का बन्ध टूटता है। श्री आदिनाथ जैन श्वेतांबर श्रीसंघ अध्यक्ष राजकुमार पारख ने बताया कि प्रवचन में बोलते हुए मुनि श्री 108 नीरज सागर ने कहा कि संसार में सुख होता तो ''तीर्थंकर भगवान संसार छोड़कर क्यों जाते'' संसार में मिले सुख क्षणिक व काल्पनिक है। दुख में थोड़ी कमी आ जाए तो आदमी उसे सुख समझ लेता है संसार में दुखी जीव को धर्म सुख देता है।

त्याग तपस्या और अरिहंत भक्ति से प्राप्त सौंदर्य क्रीम पाउडर से ज्यादा सुंदर होता है

मुनिश्री 108 नीरज सागर महाराज ने कहा कि त्याग और तपस्या और अरिहंत भगवान की भक्ति से मिला सौंदर्य क्रीम पाउडर से ज्यादा सुंदर होता है उन्होंने उदाहरण देते हुए संत शिरोमणि विद्यासागर जी का उल्लेख करते हुए कहा कि 50 वर्ष की साधना तपस्या और भक्ति की वजह से उनकी देह की चमक निराली दिखती थी ईर्ष्या पर विजय प्राप्त करना हर किसी के बस की बात नहीं है। स्त्रीया कोई भी बात को पचा नहीं पाती लज्जा और शील का पालन करने वाली स्त्री सती कहलाती है। अपने पति के अलावा पर पुरुष के बारे में सोचें नहीं और पर पुरुष को पिता या भाई के रूप में देखें उसे सती कहते है। बीस तीस वर्षों तक साथ रहने के बाद भी मनुष्य एक दूसरे पर विश्वास नहीं करता।

जिस घर में निर्णय लेने का अधिकार बुजुर्गों को वह घर टूटता नहीं मुनिश्री निर्मद सागर महाराज

धर्म सभा में प्रवचन देते हुए मुनिश्री 108 निर्मद सागर महाराज ने कहा कि जिस घर मे निर्णय लेने का अधिकार बुजुर्गो को होता है वह घर कभी टूटता नहीं है अपने कार्य को कर्ता बनकर नहीं कर्तव्य मानकर करे परिवार मे रहो तो दूध पानी की तरह रहना चाहिए कम क्षमता वाला भी अपने आपको क्षमताशील मान रहा है आज का इंसान परिवार मे तेल के समान रह रहा है सबसे बड़ा धर्म परिवार के प्रत्येक सदस्य को खुश और संतुष्ट रखना बताया दान करने को अच्छा बताते हुए मुनि श्री निर्मद सागर ने कहा कि दान करने से पहले अपने कमजोर भाई की मदद कर उसे ऊपर उठाने का कार्य करे ऐसी भावना रखो की सबका भला हो। मन और आत्मा को सुन्दर बनाना है तो लोभ और तृष्णा का त्याग करना पडेगा, जो मेरे पास है वह जावे नहीं इसे लोभ कहते है। और जो मेरे पास नहीं वह प्राप्त हो जावे उसे तृष्णा कहते है। हर परिस्थिति मे धेर्य को धारण करे जितना बड़ा संघर्ष होगा जीत उतनी ही बड़ी होगी। लक्ष्मी और सरस्वती का महत्व बताया।

दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग जयपुर द्वारा स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन

महासमिति के स्वर्ण जयन्ती वर्ष के अवसर पर हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग जयपुर द्वारा महासमिति के स्वर्ण जयन्ती वर्ष के अवसर पर स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन नारायण अस्पताल के सहयोग से होटल द फर्न दुगार्पुरा में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य परिचर्चा में 100 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति रही। प्रातः 11 बजे दीप प्रज्ज्वलित कर उत्तम कुमार पांड्या द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंगलाचरण श्रीमती सरला संघी, शशि जैन, ललिता जैन , शकुंतला जैन द्वारा किया गया। मंच संचालन अर्पित बडजात्या ने किया। कार्यक्रम में सहयोग कोषाध्यक्ष मनोज गोधा एवं संयोजक विनोद बाकलीवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वीरेन्द्र -शांता , जिनेन्द्र -मंजू सेठी का विशेष सानिध्य रहा। सम्माननीय अतिथियों उत्तम कुमार पांड्या, अनिल जैन IPS, महावीर बाकलीवाल , वीरेन्द्र सेठी,जिनेन्द्र सेठी, परमात्म प्रकाश भारिल्ल, राज कुमार सेठी, श्रीमती शकुंतला बिन्दायक्या का माला, दुपट्टा, साफा एवं शाल द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल कुमार संघी द्वारा स्वागत भाषण तथा संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। शिरोमणि संरक्षक सदस्य उत्तम कुमार पांड्या, अँचल अध्यक्ष अनिल कुमार जैन , टोडरमल स्मारक भवन के महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल उद्बोधन दिया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन मे उत्तम कुमार पांड्या ने कहा कि किसी को भी किसी भी प्रकार की दवा की या सहायता की आवश्यकता हो तो वह निसंकोच पश्चिम संभाग के माध्यम से मुझ से संपर्क स्थापित कर सकता है। स्वास्थ्य पर चर्चा से पूर्व नारायण अस्पताल की टीम बलविंदर वालिया, विकास, विभोर, डॉक्टर के के बंसल, डॉक्टर अभिनव कुमार गुप्ता का माला, दुपट्टा, साफा, शाल तथा महासमीति पश्चिम संभाग जयपुर का प्रतीक चिन्ह को देकर स्वागत किया गया। उसके पश्चात डॉक्टर के के बंसल ने न्यूरो सर्जरी के ऊपर चर्चा की एवं उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का जवाब दिया। तत्पश्चात डॉक्टर अभिनव कुमार गुप्ता ने डायबिटीज के विषय पर परिचर्चा की तथा प्रश्नों का जवाब दिया। इस आयोजन में राष्ट्रीय पदाधिकारी आंचलिक पदाधिकारी अन्य संभागों के पदाधिकारी पश्चिम संभाग के शिरोमणि संरक्षक, संरक्षक सदस्य, विशिष्ट सदस्य, आजीवन सदस्य के साथ ही इकाइयों के अध्यक्ष मंत्री एवं अन्य अतिथियों का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। निर्मल कुमार संघी, अध्यक्ष दिगम्बर जैन महासमिति पश्चिम संभाग जयपुर ने बताया कि अंत में धन्यवाद अंचल के महामंत्री महावीर बाकलीवाल द्वारा प्रेषित किया गया।

जनकपुरी जैन मंदिर में पांच दिवसीय श्री जिन सहस्र नाम विधान का आयोजन

शान्तियज्ञ के चौबीस हवन कुंड में आहुति के साथ विधान का हुआ समापन, पाँच दिन में श्री 1008 जिनेंद्र देव के 1008 नामों का हुआ अभिवन्दन पूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी- ज्योतिनगर जैन मंदिर में उपाध्याय श्री 108 वृषभा नन्द जी मुनिराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे पाँच दिवसीय श्री जिन सहस्र नाम विधान पूजन (दुखों से मुक्ति) के कार्यक्रम में अंतिम दिन मंगलवार को इंद्र इन्द्राणियों द्वारा भगवान के एक हजार आठ नामों के एक हजार आठ अर्घ मण्डल पर भक्ति भाव के साथ चढ़ाये गए तथा शान्तियज्ञ के चौबीस हवन कुंड में आहुति दी गई। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि विधान आचार्य वसु नन्दी जी महामुनिराज द्वारा रचित है । विधान में प्रातः विधान मण्डल पर श्रीजिन की शांति धारा सौधर्म इंद्र मयंक पाटनी व सुनील ठोलिया ,प्रकाश गंगवाल ,इंद्र कुमार जैन , शिखर चंद जैन,महायज्ञ नायक ज्ञान चंद जैन ,सौरभ जैन ,सुनील सेठी ,कुबेर महावीर बिंदायक्या , प्रदीप चाँदवाड़ , जिनेंद्र जैन , आदि द्वारा की गई । विधानाचार्य नमन जैन ने व संगीतकार ऋषभ जैन द्वारा संगीतमय विधान भक्ति भाव के साथ कराया गया। विधान के दौरान उपाध्याय वृषभा नन्द जी द्वारा प्रवचन

का कार्यक्रम हुआ। उपाध्याय संघ के पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट का पुण्य लाभ ज्ञान चंद सुशीला जैन को प्राप्त हुआ। पूजन विधान व शान्तियज्ञ में तारा चंद गोधा,राजेंद्र ठोलिया, विनय सेठी, सोभाग अजमेरा, माणक पहाड़िया, जे के जैन, कमलेश पाटनी ,देवेंद्र कासलीवाल, तारा चन्द सखुनियाँ आदि सहित इन्द्राणियों ने भाग लिया। वृषभा नन्द जी ने प्रवचन में कहा कि किसी की पहचान करनी है तो उसकी वाणी सुन लीजिए। वाणी से ही मित्र व शत्रु बन जाते है। वाणी में अपना बनाने की बहुत शक्ति है। वाणी में हमेशा मिठास रखे। एक शब्द महाभारत रच देता है। इधर प्रवचन के बाद अष्ट द्रव्य से भक्ति के साथ गुरु पूजन की गई। बाद में 24 हवन कुंड में अग्नि प्रज्वलन कर श्रेष्ठियों ने मंत्रोचरण के साथ स्वाहा स्वाहा के स्वर को गुंजायमान करते हुए शांति यज्ञ में दशांग धूप व कपूर अर्पित करते हुए विधान का समापन किया।

आदिब्रह्मा आदिनाथ फाउंडेशन आदिसागर अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड से सम्मानित

अनिल स्वर्णकार को समाजसेवा शिरोमणि उपाधि मिली

चितौड़गढ़. शाबाश इंडिया

राणा प्रताप मीरा और पन्नाधाय के तप त्याग और साधना की पावन वसुंधरा राजस्थान प्रांत के चितौड़गढ़ में चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य सुनील सागरजी गुरुदेव ससंघ के सानिध्य मे चित्तौड़गढ़ में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान रविवार को आचार्य आदिसागर अंकलीकर अंतरराष्ट्रीय जागृति मंच, मुंबई द्वारा बच्चों की शिक्षा, चरित्र निर्माण, मानव कल्याण , जीव दया और जरूरतमंद लोगों की सेवा मदद के उत्कृष्ट सेवा कार्य करने पर आदिब्रह्मा आदिनाथ फाउंडेशन, भींडर को आदिसागर अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड के अंतर्गत आचार्य महावीरकीर्ति समाज सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरूस्कार स्वरूप फाउंडेशन को 51000 रुपए , निदेशक अनिल स्वर्णकार को शॉल ,उपरना और प्रशस्ति पत्र देकर समाज शिरोमणि उपाधि से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह समाज सेवा शिरोमणि की उपाधि अनिल स्वर्णकार को पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव के अंतर्गत से सैकड़ों श्रद्धालुओं की मंगल में उपस्थिति में प्रदान की गई। विदित हो कि अनिल जाति से स्वर्णकार अर्थात सोनी होते हुए भी जैन धर्म दर्शन में आस्था रखते हैं। रात्रि भोजन नहीं करते प्रतिदिन देव दर्शन करते है । जैन तीर्थों की भाव पूर्ण वंदना भी कर चुके है। यह जानकारी आपने एक स्नेह भेट में पारस जैन पार्श्वमणि को प्रदान की। जैन धर्म के सद संस्कार बच्चों में प्रदान करते हैं। इस अवसर पर अजीत कासलीवाल, जितेंद्र शाह , महेंद्र कुमार जैन, प्रेरणा शाह, सुरेन्द्र तलाटी, अमृता दीदी सहित हजारों श्रावकगण मौजूद थे। अंतराष्ट्रीय अवॉर्ड प्राप्त कर भींडर आगमन पर अनिल स्वर्णकार का हुआ भव्य स्वागत विधायक उदयलाल डांगी,मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, स्कूल शिक्षा परिवार, निजी स्कूल संचालको , परिवारजनों ओर मित्रगणों द्वारा आदिब्रह्मा आदिनाथ फाउंडेशन के निदेशक अनिल स्वर्णकार का सुरजपोल चौराहे भींडर पर भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया।

पानी खड़े होकर नहीं पीना चाहिये ऐसा क्यों?

पानी हमारे शरीर के लिए सबसे जरूरी है। शरीर की सभी बायलॉजिकल क्रियाएं सही ढंग से होती रहें इसके लिए जरूरी है कि हमारा शरीर हाइड्रेटेड रहे और बॉडी को हाइड्रेटेड रखने का सबसे अच्छा तरीका पानी। इंसान के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा पानी से बना होता है, वैसे तो आपने भी अक्सर बड़े-बुजुर्गों के मुंह से यह बात सुनी होगी कि हमें खड़े होकर पानी नहीं पीना चाहिए, लेकिन क्या आप इसकी वजह जानते हैं, अगर नहीं तो हम बताते है खड़े होकर पानी पीने से सेहत को कितना नुकसान होता है। आयुर्वेद के मुताबिक जब हम खड़े होकर पानी पीते हैं तो पेट की दीवारों (स्टमक वॉल) पर जरूरत से ज्यादा प्रेशर पड़ता है क्योंकि जब हम खड़े होकर पानी पीते हैं तो पानी भोजन-नलिका से सीधे पेट में पहुंच जाता है जिससे वह पेट के आसपास के हिस्से को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खड़े होकर पानी पीने के दौरान पानी के पोषक तत्व शरीर द्वारा अब्सॉर्ब नहीं हो पाते और इन पोषक तत्वों को शरीर अस्वीकार कर देता है। ऐसा अगर बार-बार होता है तो इससे पाचन तंत्र की फंक्शनिंग प्रभावित होती है। जब हम खड़े होकर पानी पीते हैं तब पानी बिना किडनी से छने सीधे बह जाता है। इससे किडनी और मूत्राशय में गंदगी रह जाती है जिससे मूत्रमार्ग में संक्रमण या फिर किडनी की बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है। पानी पीने का तरीका और शरीर के पॉस्चर यानी मुद्रा का आपस में गहरा संबंध है। खड़े होकर पानी पीने के दौरान उत्पन्न होने वाले हाई प्रेशर का असर शरीर के संपूर्ण बायलॉजिकल सिस्टम पर पड़ता है जिससे जोड़ों में दर्द की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। इसके अलावा खड़े होकर पानी पीने से शरीर के जोड़ों में मौजूद तरल पदार्थों का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे आर्थराइटिस की समस्या जन्म लेती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि खड़े होकर पानी पीने से फेफड़ों को भी नुकसान होता है। दरअसल, जब आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो फूड पाइप यानी भोजन-नलिका और विंड पाइप यानी श्वसन नलिका में ऑक्सिजन की कमी हो जाती है। अगर ऐसा बार-बार होता है यानी अगर आप नियमित रूप से खड़े होकर ही पानी पीते हैं तो इससे फेफड़े और हृदय रोग होने का खतरा रहता है। यही वजह है कि पानी हमेशा बैठकर पीना चाहिए। बैठकर पानी पीने के दौरान पानी का फ्लो धीमा रहता है, शरीर पानी को आसानी से डाइजेस्ट कर पाता है और शरीर की तंत्रिकाएं रिलैक्स्ड रहती हैं। **-डा पीयूष त्रिवेदी आयुर्वेद विशेषज्ञ राजस्थान विधान सभा जयपुर।**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सीआरडीएवी कन्या महाविद्यालय में मनाया संविधान दिवस

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। सीआरडीएवी कन्या महविद्यालय एवं सीआरडीएवी कन्या शिक्षण महाविद्यालय ऐलनाबाद में आज संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने संविधान के महत्व और इसके प्रावधानों को जानने का अवसर प्राप्त किया।कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर भूषण मोंगा एवं शैक्षणिक महाविद्यालय के प्राचार्य श्री अनंत कथुरिया की अध्यक्षता में तथा सहायक प्रोफेसर श्रीमती शैरीन आर्य तथा सहायक प्रोफेसर दीपशिखा के मार्ग दर्शनमें आयोजित किया गया।उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान के महत्व और इसके प्रावधानों को समझने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने संविधान के बारे में जानकारी प्राप्त की, जिसमें इसके इतिहास, प्रावधानों और महत्व के बारे में बताया गया। उन्हें संविधान की प्रस्तावना, मूल अधिकारों, तथा अन्य महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में भी बताया गया।कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न रूपों में किया गया, जिसमें भाषण प्रतियोगिता को शामिल किया गया । इस मौके पर इतिहास के सहायक प्रोफेसर शैरीन आर्य ने विद्यार्थियों को इतिहास के परिप्रेक्ष्य से विद्यार्थियों को संविधान की महत्व के बारे में बताया गया। इसके बाद प्रस्तावना के मूल संरचना के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार पूर्वक बताया जिससे विद्यार्थी ने ध्यानपूर्वक समझा और जीवन में संविधान की प्रस्तावना को अपने जीवन में उतारने का प्रण लिया। उसके बाद विद्यार्थियों ने प्रस्तावना को पढ़ा तथा उन्होंने गवर्नमेंट की वेबसाइट पर जाकर सर्टिफिकेट प्राप्त किए।

भारतीय संविधान विश्व में सबसे बेहतरीन: एसडीएम

संविधान दिवस पर राजकीय महाविद्यालय मिट्ठी सुरेरां में कार्यक्रम का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। संविधान दिवस के मौके पर राजकीय महाविद्यालय मिट्ठी सुरेरां में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें एसडीएम राजेश कुमार ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में एसडीएम राजेश कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व में बेहतरीन संविधान है, जो भारतीय नागरिकों को उनके हित में अनेक अधिकार प्रदान करता है। समारोह का मुख्य उद्देश्य भारतीय संविधान की संवैधानिक भावना को मजबूत करना और हर नागरिक को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर विशेष रूप से संविधान के प्रति हमारी जिम्मेदारी विषय पर चचाएं की जा रही हैं, जिसमें लोकतंत्र, न्याय, समानता और स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों की महत्ता के बारे में लोगों को जानकारी दी जा रही है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि राष्ट्रीयता की भावना से काम करें और देश को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में प्रथम स्थान पर पहुंचाने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रिंसिपल अमनप्रीत कौर सहित स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे।

अर्हम योग प्रणेता पूज्य मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज को श्रीफल भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर की नेमीसागर कालोनी के दिगम्बर जैन समाज द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता पूज्य मुनि प्रणम्य सागर जी महाराज को नेमीसागर कालोनी में प्रवास हेतु श्रीफल भेंट किया गया। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि पूज्य मुनि श्री का चातुर्मास जयपुर में संपन्न हुआ है। मुनिश्री के शीतकालीन प्रवास नेमीसागर कालोनी में किए जाने हेतु समाज की ओर से श्रीफल भेंट कर निवदेन किया गया।इस अवसर पर अनिल जैन धुंआ वाले, डी सी जैन हंसराज गंगवाल, पदम पहाडिया प्रदीप निगोतिया, पूनम चंद ठोलिया, संजय जैन एवं समाज के अन्य महिलाएं एवं पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का किया वर्णन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के वार्ड नंबर 9 में स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर के प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा में श्री श्री 108 भरत मुनि जी उदासीन (श्री पंचमुखी मंदिर)महाराज ने श्रद्धालुओं पर ज्ञान वर्षा करते हुए कहा की नन्द महोत्सव से पंचम दिवस की कथा का श्री गणेश हुआ। दशम स्कन्थ भगवान का हृदय है। इसमे भगवान श्री कृष्ण के जन्म का प्रसंग, उनकी मधुर लीलाओं का मनमोहक वर्णन हुआ है। यह स्कन्ध सबसे बड़ा है। इसमें भगवान के जन्म, पूतना वध, शकट भंजन, तृणावर्त उद्धार, बकासुर वध, अघासुर वध , ब्रह्माजी का मोह, कालिया नाग से यमुना को मुक्त कराना, वेणुगीत चीरहरण एवं गिरिराज धारण लीला तक की लीलाओं का आस्वादन कथा व्यास महन्त भरतमुनि जी ने कराया। भगवान श्री कृष्ण का अवतार (अवतरण) आनन्द का प्रतीक है आपके जीवन में आनन्द कब आयेगा जब पूतना-वासना (इन्द्रियाध्यास) का नाश किया जाये । तृणावर्त तृण-सतोगुण, रज - रजोगुण, अंधकार - तमोगुण अर्थात हम त्रिगुणातीत हो जायें। जीवन मे आनन्द का प्रकाश होगा। जब दम्भ रुपी - बकासुर अघ (पाप) रुपी अधासुर का विनाश हो अर्थात दम्भ पाखण्ड से रहित निष्पाप जीवन हो। 'कालीनाग नथन लीला' इन्द्रियों को दमन करने की लीला है। इन्द्रियों का दास कभी आनन्दित नहि रह सकता। इस मौके पर भारी संख्या में महिलाएं व पुरुष कथा सुनने के लिए मौजूद थे ।

"एक शाम नाकोड़ा पार्श्व भैरव के नाम" विशाल भक्ति संध्या में झूमते रहे भक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सौश्यल ग्रुप सैन्ट्रल संस्था के बैनर तले ''एक शाम नाकोड़ा पार्श्व भैरव के नाम'' भक्ति संध्या रविवार को रविन्द्र मंच के ओपन थिएटर में आयोजित की गई। इस मौके पर प्रसिद्ध पार्श्व गायक वैभव बाघमार, खुशबू कुम्भट व राजीव विजयवर्गीय ने ओ भैरूजी थारों भक्त बनु में.. रोम रोम में बसे है पार्श्वनाथ...जैसे भजनों पर श्रद्धालुओं को ऐसे झुमाया कि मंच के ओपन थिएटर बैठा भक्तों का अपार जनसमूह भक्ति की मस्ती में झूम उठा। संस्थापक अध्यक्ष कमल संचेती,पूर्व अध्यक्ष ईं. प्रदीप भण्डारी व अध्यक्ष संजय बैद ने बताया कि भक्ति संध्या का शुभारंभ परम पूज्य आचार्य देव श्री विश्वरत्न सागर सुरिश्वर जी महाराज साहब ने मंगलाचरण कर किया। इसके बाद शुरू हुआ भक्ति संध्या का कार्यक्रम जिसमें प्रसिद्ध पार्श्व गायक वैभव बाघमार ने ओ भैरूजी थारों भक्त बनु में... एवं तेरे मन में पार्श्वनाथ मेरे मन में पार्श्वनाथ... खुशबू कुम्भट ने अपनी मधुर आवाज में रूम झुम करता पधारों मेरे भैरू जी... एवं रोम रोम में बसे है पार्श्वनाथ...जैसे मधुर सुनाकर वातावरिण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम संयोजक अशोक छाजेड़, कमलेश कोठारी एवं सीए अशोक हरकावत ने बताया कि भक्ति संध्या को आगे बढ़ाया ख्यात प्राप्त भजन कलाकार राजीव विजयवर्गीय ने जिन्होंने इतिहास बना दूँगा कृपा करो दादा... व आओं जी आओ भैरव नाथ ओ नाकोडा वाले...जैसे भजनों पर झद्धालुओं को खूब झुमाया। करीब 4घंटे चली इस भजन संध्या में कलाकारों ने बाबा के दरबार के एक से बढ़कर एक रचनाएं सुनाई। सचिव गुंजन छाजेड व मीडिया प्रभारी नवीन डोसी ने बताया कि इस अवसर पर भक्तिभाव से 1008 दीपकों से भैरव बाबा की महाआरती की गई एवं साथ ही करीब 3हजार भक्तों द्वारा 3000 मिट्टी के दीपकों द्वारा सामुहिक स्व आरती की गई। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर जिधर देखो उधर हर कोई भक्ति की मस्ती में झूमता दिखाई दिया,कई श्रद्धालुओं तो नाच-गाकर अपनी आंतरिक भक्ति को प्रकट कर रहे थे। भजन संध्या में राजनैतिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इसी कार्यक्रम के तहत आज सुबह जवाहर नगर के लाल मन्दिर में 306 जोडों के साथ श्री नाकोडा भैरव महापूजन एवं महाहवन का कार्यक्रम परम पूज्य आचार्य देव श्री विश्वरत्न सागर सुरिश्वर जी महाराज साहब के सानिध्य में आदि श्रमण भगवंत के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस दौरान तीन घण्टे की महावहन एवं महापूजन किया गया।

दिगम्बर जैन आचार्य श्री सुनील सागर युवा संघ के गौरान्वित अध्यक्ष राष्ट्रीय यूथ उद्योगपति नमन पचोरी जयपुर में

जयपुर जैन समाज ने किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन आचार्य श्री सुनील सागर युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष यूथ आईकोन , युवा उद्योगपति नमन पचोरी का मंगलवार को उदयपुर से जयपुर पहुचने पर जैन बन्धुओं द्वारा भावभीना स्वागत-सत्कार किया। इस मौके पर दुगार्पुरा में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर ग्रामीण जोन के महामंत्री अमन जैन ने बताया कि सम्मान समारोह का शुभारंभ तीन बार णमोकार महामंत्र का सामूहिक उच्चारण कर किया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन ने स्वागत उदबोधन दिया। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने अपने उदबोधन में राजस्थान जैन युवा महासभा की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर दिगम्बर जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था है। इस संगठन के माध्यम से युवा एवं महिला वर्ग के उत्थान के लिए कई समाजोपयोगी गतिविधियाँ संचालित की जा रही है। युवा समाजसेवी मनोज सोगानी पहाडी वाले ने कहा कि आपके माध्यम से चलाई जा रही युवा हितों की योजनाओं को जयपुर में भी प्रारम्भ किये जाने एवं समाज के जरुरतमंद साधर्मी बन्धुओं को मुख्य धारा से जोड़ने की आवश्यकता है। नगर निगम हैरिटेज सिटी के पार्षद पारस जैन पाटनी ने अपने उदबोधन में कहा कि आज युवाओं के लिए कैरियर मार्ग दर्शन, रोजगार सहित सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए उन्हें प्रेरित करने की आवश्यकता है। इससे पूर्व पचोरी का तिलक, माल्यार्पण, दुपट्टा पहना कर तथा पुष्प गुच्छ भेट कर सम्मान किया गया। मंच संचालन करते हुए चेतन जैन निमोडिया ने कहा कि जैन धर्म की प्रभावना बढाने, जरुरतमंद साधर्मी बन्धुओं को कई तीर्थ क्षेत्रों की निःशुल्क यात्रा करवाने, शिक्षा, चिकित्सा सहित कई तरह की मदद करने के क्षेत्र में श्री पचोरी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। इस मौके पर नमन पचोरी ने सभी को आश्वस्त किया कि जैन युवा वर्ग को एकजुट करने, उनके लिए रोजगार सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए वो तन मन धन से तत्पर है। शीघ्र ही इस तरह की योजनाओं को मूर्त रूप देने का प्रयास किया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, पार्षद पारस जैन मोहनबाडी, युवा समाजसेवी मनोज सौगाणी, प्रतापनगर सेक्टर 8 के अध्यक्ष कमलेश जैन बावड़ी, राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण संभाग अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया, महेश बाकलीवाल, त्रिलोक चंद जैन, तेज कुमार जैन, अमन जैन कोटखावदा, अभिषेक जैन सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे। **अमन जैन कोटखावदा ने सभी का आभार व्यक्त किया।**

भीलवाड़ा शहर महिला मंडल द्वारा स्वेटर वितरण किया

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री वर्धमान पब्लिक स्कूल में भीलवाड़ा शहर महिला मंडल की ओर से सर्दी से बचने के लिए बच्चों को स्वेटर वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया । महामंत्री मधु लोढ़ा ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के महामंत्री पारसमल कूकड़ा एवं कोषाध्यक्ष सुनील नागोरी ने ग्रहण की । कार्यक्रम का प्रारंभस्कूल की छात्रोंने नमस्कार मंत्र के द्वारा किया। अध्यक्षा मंजू सिंघवी ने बताया कि जिसने स्कूल चालू करने का बीड़ा उठाया उसको बहुत बहुत धन्यवाद ज्ञापित किया।

यह शुभकामना प्रेषित की विद्यालय दिनों दिन प्रगति करते हुए बच्चों के विकास में अपनी सहभागिता निभाते रहे। मंत्री अरुणा पोखरणा ने बताया कि इस अवसर पर संरक्षिका सुशीला छाजेड़ ,प्रेम बाई खमेसरा ने बहुत-बहुत बधाई दी। आज का कार्यक्रम स्वर्गीय तेजमल जी एवं सुंदर बाई जी पोखरना की पुण्यतिथि के उपलक्ष में अरुणा पोखरना , विजय पोखरना के द्वारा संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ श्रावक भागचंद सुराणा प्रदीप सिसोदिया, अर्पिता खमेसरा, ज्योति कोठारी, रेखा पानगडिया, कोमल जैन, रीना जैन , सुशीला खमेसरा, पिंकी कोठारी, चंचल छाजेड़ , आशा खमेसरा, सुनीता बागचार, रश्मि चौधरी, सुमन कोठारी ,संगीता पानगडिया, अभिलाषा पानगडिया, प्रसन्ना चौधरी ,दीपा चौधरी ,आदि सभी बहने उपस्थित थी ।

नम आंखों से दी माताजी को चातुर्मास की विदाई

नौगामा. शाबाश इंडिया। परम पूज्य पवित्रवती माताजी संघ का मंगल चातुर्मास समापन के बाद सोमवार विहार के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा नम आंखों से दी विदाई । सुबह में आदिनाथ मंदिर में शांतिधारा ओर अभिषेक के बाद विधान का आयोजन किया गया। जिसमें पंडित रमेश गांधी के मंत्रोचार के में पूजन की गई। उसके बाद आर्यिका संघ का विहार हुआ ।विहार के दौरान श्रद्धालुओं के आंखों से आसू निकल रहे थे। अवसर पर माताजी ने कहा कि साधु का आना-जाना होता ही रहता है हमें दुखी नहीं होना हे। नौगामा चातुर्मास वागड़ के बड़े बाबा आदिनाथ भगवान की कृपा से एवं गुरु कृपा से नौगामा नगर वासियों को मिला एवं इन चार माह में सभी ने धर्म लाभ लिया। सभी ने संयम नियम तप से सफल बनाया सभी को हमारा बहुत-बहुत आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि सुखदेव तीर्थ नसिया जी में शीघ्र से शीघ्र प्रतिमा विराजमान हो ऐसी हमारी भावना है और साथ ही बड़ी माताजी विज्ञान मति के साथ सहित पुनः आगमन होगा। नोगामा नगर के युवा महिला पुरुष ने अपनी भक्ति के माध्यम से चातुर्मास में जो संस्कार प्राप्त किए हैं उन संस्कारों को जीवन पर्यंत निभाते हुए सही है मार्ग पर चलें । माताजी संघ सहित पिंडारमा नगर होते हुए बोडीगामा नगर में मंगल प्रवेश हुआ। जहां पर मंगल कलशो बेंड बाजो के साथ भव्य अगवानी की गई । उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी ने दी।

हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा शरद साहित्य महोत्सव का भव्य आयोजन

कोलकाता. शाबाश इंडिया

हिन्दी साहित्य परिषद के संरक्षक सूर्या सिन्हा के मार्गदर्शन और संस्थापक अध्यक्ष संजय शुक्ला के निर्देशन में शरद साहित्य महोत्सव का भव्य आयोजन दो सत्र में सोल्लास संपन्न हुआ जिनकी अध्यक्षता क्रमशः लोकप्रिय कवि द्वय चंद्रिका प्रसाद पाण्डेय 'अनुरागी' और जय कुमार रुसवा ने किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि छपते छपते समाचार पत्र के संस्थापक विश्वम्भर नेवर, प्रधान अतिथि पूर्व प्रधानाध्यापक राम पुकार सिंह 'पुकार गाजीपुरी' और विशिष्ट अतिथि डॉ. रेणु शर्मा एवं प्रख्यात गजलकार नंद लाल सेठ ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को और भी गौरवान्वित कर दिया। उत्तर प्रदेश से उपस्थित श्रेष्ठ काव्य मर्मज्ञ बहराइच के राम करण मिश्र सैलानी, अध्यक्ष और अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं संस्था द्वारा शंखनाद के बाद नंदू बिहारी के शास्त्रोक्त मंत्रों से गणेश वंदना और रीमा पाण्डेय की मधुर सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। नंदू बिहारी के कुशल संयोजन में कार्यक्रम का कुशल संचालन क्रमशः मौसमी प्रसाद और वकील शायर शकील गोंडवी ने की। परिषद अध्यक्ष शुक्ला ने सभी अतिथियों और रचनाकारों का अभिनंदन करते हुए स्वागत वक्तव्य दिये।

पंचकल्याणक महोत्सव बानपुर

जन्मे तीर्थंकर बालक, बजीं बधाइयां, झुलाया पालना

बच्चों में डालें अच्छे संस्कारः मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज

ललितपुर. शाबाश इंडिया

शांतिनाथ अतिशय क्षेत्र बानपुर में आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रमण मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, श्रमण मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज, आर्यिका श्री विजिज्ञासामती माता जी ससंघ के सान्निध्य में चल रहे श्री आदिनाथ श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में मंगलवार को जन्म कल्याणक महोत्सव अगाध श्रद्धा के साथ मनाया गया। पंचकल्याणक महोत्सव 29 नवम्बर तक

चलेगा। इस अवसर पर सर्वप्रथम प्रातः6.30 बजे से पात्र शुद्धि, अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्यमह पूजन की गई। जैसे ही आज प्रातः प्रतिष्ठाचार्य ने यह घोषणा की कि तीर्थंकर बालक का जन्म हो गया है, श्रद्धालुओं में अपार खुशी छा गयी और श्रद्धालु भावी तीर्थंकर भगवान के जन्म की खुशियां बांटने लगे। जन्म की बधाईयां हुई इस पर श्रद्धालु थिरकते दिखाई दिए। जन्म होते ही मिठाईयां बाटी गयीं, गगन भेदी नगाड़ो को बजाते हुए मंगल गान गाये गए। इस मौके पर तीर्थंकर बालक का जन्माभिषेक जुलुस निकाला गया। जुलूस में कुबेर अपना खजाना लुटाते हुए चल रहा था। बैंड मधुर ध्वनि करते हुए चल रहा था। इस दौरान पांडुक शिला पर हुए जन्माभिषेक श्रद्धा पूर्वक किया गया। इंद्राणी द्वारा तीर्थंकर बालक का प्रथम दर्शन एवं इंद्र द्वारा सहस्त्र नेत्रों द्वारा दर्शन के सुंदर मनोरम प्रेरणादायी दृश्यों का मंचन पंचकल्याणक के पात्रों द्वारा किया गया जिसे देख दर्शक भाव-विभोर हो गए। तांडव नृत्य देख दर्शक ताली बजाने के लिए मजबूर हो गए। संगीतमय महाआरती एवं शास्त्र प्रवचन का आयोजन भी किया गया तथा सम्यक समाधान कार्यक्रम आयोजित हुआ। तीर्थंकर बालक आदिकुमार का पालना झुलाने भी खूब उत्साह देखा गया। इस दौरान मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि भावी तीर्थंकर जो आज बालक रूप में जन्मा है , उसके जन्म पर प्रतिदिन करोड़ों रत्नों की बर्षा देव करते हैं। लेकिन तीर्थंकर के लिए तो यह सब माया है। जो बालक इन रत्नों पर पैर रखकर चलने वाला है वह रत्नत्रय को प्राप्त करता है। **बच्चों में डालें अच्छे संस्कारः** आज पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण दिशा विहीन होती युवा पीढ़ी पर मुनिश्री ने चिंता जाहिर की और कहा कि बचपन में डाले गए संस्कार जीवन भर साथ देते हैं। ऐसे संस्कार डालो जिससे आपका नाम रोशन करे। अपने बच्चे में अच्छे संस्कार का बीजारोपड़ करने के लिए आपको भी एक अच्छा इंसान बनना होगा। जिससे आपका बच्चा आपको ही अपना मार्गदर्शक और आदर्श मान सके। आर्यिका विजिज्ञासामती माता जी के अपने सम्बोधन में पंचकल्याणक महोत्सव की महत्ता को प्रतिपादित किया। विधि विधान की क्रियाएं ब्र. साकेत भैया के मार्गदर्शन में प्रतिष्ठाचार्य पंडित मुकेश शास्त्री गुड़गांव, प्रतिष्ठाचार्य पंडित अखिलेश शास्त्री ने संपन्न कराईं। आयोजन को सफल बनाने में महोत्सव की आयोजन समिति व सकल जैन समाज, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

तीर्थंकर ग्रुप का हुआ भव्य स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर का आज वैशाली नगर स्थित दिगम्बर जैन मंदिर महावीर स्वामी में भव्य स्वागत किया गया।तीर्थंकर ग्रुप के सदस्य मंदिरों के दर्शनार्थ दुगार्पुरा जैन मंदिर व विवेक विहार जैन मंदिर के दर्शन कर वैशाली नगर के जैन मंदिर पहुंचे थे।वंहा दर्शन पश्चात सभी सदस्यों का मंदिर अध्यक्ष एवं श्रेष्ठी डां एस एल जैन पंकज (डायरेक्टर अपेक्ष हास्पिटल) एवं सीनियर कार्डियौलोस्ट डां सुप्रिय जैन (डायरेक्टर इंचार्ज इटरनल हास्पिटल सांगानेर) ने अति भव्य स्वागत किया। सभी सदस्यों को तिलक,माला आदि पहनाई एवं ग्रुप अध्यक्ष डां.एम.एल जैन ''मणि''-डां शान्ति जैन ''मणि'' को साफा पहनाया। श्रेष्ठी डां पंकज ने ग्रुप की गतिविधियों एवं डां मणि के बारे में बताया। इसके पश्चात ग्रुप के सचिव एस के गंगवाल व कोषाध्यक्ष पारसमल ने वैशाली मंदिरजी की कार्यकारिणी व श्रेष्ठी डां एस एल जैन पंकज, डां सुप्रिय जैन -डां विनिता जैन एवं श्राविका श्रीमती पदमा जी का स्वागत किया। स्वागत पश्चात सभी ग्रुप सदस्यों को नाश्ते के पैकेट,फल, चाय-पानी कराकर नव वर्ष का उपहार दिया ।अन्त में ग्रुप अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणि' ने वैशाली जैन मंदिरजी के सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद ग्रुप बड के बालाजी मंदिर के दर्शन के लिए रवाना हुआ।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर की मीटिंग सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर की मीटिंग सम्पन्न हुई। सभी सदस्य दुर्गापुरा जैन मंदिरजी से बड के बालाजी पहुंचे।वंहा पहुंच सबसे पहले भगवान चन्द्र प्रभ के विशाल मंदिरजी के सभी साधर्मी सदस्यों ने दर्शन किए। इसके बाद सभी ने बडे भक्तिभाव से भक्तामर का पाठ किया व इसकी महिमा गाई।नमोकार का भी पाठ किया। इसके बाद कार्यक्रम स्थल पर भगवान का चित्र अनावरण श्रीमति मैना पाटनी ने व दीपप्रज्जवलन कैलाश -बीना ने किया । इसके बाद मंगलाचरण स्वरूप सभी सदस्यों ने नमोकार मंत्र का उच्चारण किया ।फिर अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणि' ने सभी सदस्यों का स्वागत किया ।इसके बाद डां.शान्ति जैन 'मणि' ने प्रश्नमंच शुरू किया व सदस्यों से जैन धर्म पर प्रश्न पूछे व श्रावकों ने यथाशक्ती उत्तर दिये,जंहा उत्तर नहीं दे पाये डां शान्ति जैन मणि ने उत्तर बता कर शंका समाधान किया। सही ऊत्तर देने वाले सदस्यों में से पी सी गंगवाल, श्रीमती कान्ता गंगवाल ,श्रीमति नवरतन ठोलिया,शशि जैन व मधु छाबडा आदि को पुरस्कार देकर सम्मानित किया ।इसके बाद धार्मिक हाऊजी खिलाई गई व उसके अंकों के शब्दों का अर्थ बताया गया। सितम्बर, अक्टूबर व नवम्बर में जन्में व शादी हुये सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।इसके पश्चात मीटिंग का आयोजन भक्तामर के 26 वें काव्य से प्रारंभ हुआ। अध्यक्ष डा मणि ने छटी मीटिंग के लिए स्थान के चयन की बात की।सर्व सम्मति से सभी की सहमति से टेन्टेटिव स्थान रेवासा में 29 दिगम्बर 2024को मीटिंग का आयोजन होगा।इसके अलावा अध्यक्ष ने ग्रुप के लिए कई बातें बताई। मीटिंग के अन्त में सचिव सुरेश गंगवाल ने सभी सदस्यों को सुरुचिपूर्ण भोजन के लिए आमंत्रित किया ।कोषाध्यक्ष पारस जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर का 10 दिवसीय वियतनाम भ्रमण सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर का 40 सदस्यीय दल 10 दिवसीय वियतनाम भ्रमण से दिनांक 26 नवम्बर, 2024 को जयपुर वापस लौटा। इंजी. पी सी छाबड़ा के नेतृत्व में दल ने दिनांक 16 नवम्बर, 2024 को भट्टारक जी की नसिंया जयपुर से दोपहर 1:00 बजे देहली एयरपोर्ट के लिए बस से रवाना हुआ एवं रात्रि 12:05 बजे देहली एयरपोर्ट से रवाना होकर प्रातः 6:30 बजे हनोई पहुंचा। भ्रमण के दौरान दल ने हनोई, निन्ह बिन्ह, हलोंग बे, दानांग, बाना हिल, होइयान, हो ची मिन्ह सिटी (साईगोन), कु ची टनल एवं आस पास के एतिहासिक, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का अवलोकन किया। प्रतिदिन भ्रमण का प्रारम्भ णमोकार मंत्र के जाप, दर्शन पाठ एवं बारह भावना इत्यादि के वाचन के साथ किया गया। भ्रमण दल में चैप्टर के इंजी. राकेश कुमार बगड़ा, इंजी. अरुण कुमार जैन, इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन, इंजी. बुद्धि प्रकाश जैन, इंजी विनोद शाह, इंजी. सुबोध कुमार जैन, इंजी. सी आर गोधा, इंजी. अखिल कुमार जैन, इंजी. दिनेश कुमार जैन, इंजी. जी के बगड़ा सहित अन्य सदस्य सम्मिलित रहे। भ्रमण के दौरान सहभागी सदस्यों का जन्म दिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ भी मनाया गया ।इंजी. जी के बगड़ा ने अपनी एवं धर्म पत्नी सुनीला बगड़ा के जन्म दिन व उनकी वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष में एवं इंजी. बी पी जैन ने अपनी धर्म पत्नी पिंकी जैन के जन्म दिन के उपलक्ष में चैप्टर को सामाजिक सरोकार कार्यक्रम अन्तर्गत सहयोग प्रदान करने की घोषणा की। इंजी. सी आर गोधा अपनी धर्म पत्नी कविता गोधा के जन्म दिन को धूमधाम से मनाने हेतु तिलक, मिठाई, नमकीन इत्यादी की पूर्ण व्यवस्था जयपुर से ही सुनिश्चित कर आये थे, जिसका सभी सदस्यों ने आनंद उठाया।